Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

Original Article

सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक एवं सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का अध्ययन

पुष्पराज वैश्य[1],डॉ. एम.यू. सिद्दीकी[2]
[1]शोधार्थी वाणिज्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी (म.प्र.)
[2]प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
शासकीय राजनारायण स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैढ़न, जिला सिंगरौली (म.प्र.)
Email: pushprajbais5@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2026-180222
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 2(A)
Pp. 117-120
February - 2026
Submitted: 17 Jan. 2026
Revised: 27 Jan. 2026
Accepted: 12 Feb. 2026
Published: 28 Feb. 2026

सारांश

यह शोध पत्र सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ एवं सुलियारी कोल ब्लॉकों में कार्यरत खदान श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का विश्लेषण करता है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इन श्रमिकों की आय, व्यय, बचत एवं ऋण सम्बन्धी प्रक्रियाओं को समझना है। अनुसंधान में प्राथमिक समंक सर्वेक्षण और व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से एकत्र किया गया है, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग, अनुभव और कार्य अवधि के श्रमिकों को शामिल किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र के समंकों से प्राप्त परिणाम दर्शाते हैं कि अधिकांश श्रमिकों की आय अस्थिर है और उन्हें दैनिक आवश्यकताओं के लिए अतिरिक्त ऋण पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके अतिरिक्त बचत की स्थिति न्यूनतम पाई गई, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा प्रभावित होती है। शोध पत्र निष्कर्षों के आधार पर यह सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं कि वित्तीय साक्षरता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से इन श्रमिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। यह अध्ययन क्षेत्रीय कोयला खदान श्रमिकों के जीवन स्तर और वित्तीय व्यवहार को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

शब्द संकेत– *सिंगरौली जिला, कोल ब्लॉक, श्रमिक, वित्तीय स्थिति, आय, बचत, ऋण आदि।*

प्रस्तावना

सिंगरौली जिला मध्यप्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है और यह खनिज संसाधनों में विशेषकर कोयले के दृष्टिगत अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। सिंगरौली को 'भारत का ऊर्जा हब' कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की खदानें न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय ऊर्जा उत्पादन में भी योगदान देती हैं। अमिलिया नार्थ और सुलियारी कोल ब्लॉक इस क्षेत्र के प्रमुख कोयला खदान ब्लॉकों में से प्रमुख हैं, जहाँ बड़ी संख्या में श्रमिक दैनिक जीवनोपार्जन के लिए कार्यरत हैं। खदानों में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी मेहनत और श्रम से ही कोयले का उत्पादन सुनिश्चित होता है। जबकि खदानों में कार्य करना शारीरिक और मानसिक दृष्टि से कठिन और जोखिम भरा होता है। कोल ब्लॉकों के खतरनाक कार्य परिस्थितियों, लंबी कार्य अवधि और अस्थिर आय के कारण इन श्रमिकों का जीवन स्तर अक्सर असुरक्षित और अस्थायी रहता है।कोयला खदानों में कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक स्थिति उनके जीवन की गुणवत्ता, सामाजिक सुरक्षा और परिवारिक कल्याण के लिए निर्णायक होती है। श्रमिकों की आय, व्यय, बचत और ऋण पर उनकी निर्भरता उनके आर्थिक व्यवहार और वित्तीय निर्णयों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। अध्ययन क्षेत्र के अधिकांश खदान श्रमिक दैनिक या मासिक मजदूरी पर निर्भर होते हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति में अनिश्चितता बनी रहती है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
पुष्पराज वैश्य, शोधार्थी वाणिज्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी (म.प्र.)

How to cite this article:
वैश्य, . पुष्पराज ., & सिद्दीकी, . एम . यू . (2026). सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक एवं सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का अध्ययन. Journal of Research & Development, 18(2(A)),117–120. https://doi.org/10.5281/zenodo.18897697

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.18897697
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

जीवन यापन की बढ़ती लागत और परिवारिक जिम्मेदारियों के कारण वे अक्सर अतिरिक्त ऋण लेने के लिए विवश होते हैं, जो उनकी वित्तीय सुरक्षा और बचत क्षमता को कमजोर करता है। इसके अतिरिक्त वित्तीय साक्षरता और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता की कमी भी उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है। इन कारणों से यह आवश्यक हो जाता है कि कोयला खदान श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का व्यवस्थित अध्ययन किया जाए, ताकि उनके आर्थिक व्यवहार, समस्याओं और कार्यकरण का विश्लेषण किया जा सके।

अमिलिया नार्थ और सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की वित्तीय स्थिति पर यह अध्ययन इसलिए और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्तमान समय में ऊर्जा उद्योग और खनिज क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहे हैं। वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार–चढ़ाव, औद्योगिक नीतियों में परिवर्तन और सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों के कारण श्रमिकों की आय, खर्च और बचत का पैटर्न लगातार बदल रहा है। ऐसे परिवर्तनों के चलते उनके जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। इसलिए यह शोध कोयला खदान श्रमिकों की आय, व्यय, बचत, ऋण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

इस शोध के लिए प्राथमिक समंक एकत्र करने हेतु सर्वेक्षण और व्यक्तिगत साक्षात्कार का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में विभिन्न आयु वर्ग, कार्य अनुभव, शिक्षा स्तर और कार्य अवधि के श्रमिकों को शामिल किया गया है, जिससे उनकी वित्तीय व्यवहार की समग्र छवि प्राप्त की जा सके। अध्ययन में यह देखा गया है कि अधिकांश श्रमिकों की मासिक आय सीमित है और दैनिक आवश्यकताओं के लिए उन्हें ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है। श्रमिकों में बचत की स्थिति न्यूनतम पाई गई, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा जोखिम में रहती है। इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ उठाने में उनकी जागरूकता और सहभागिता सीमित है।

शोध के परिणाम न केवल श्रमिकों की वर्तमान वित्तीय स्थिति को उजागर करेंगे, बल्कि नीति निर्माण और सामाजिक योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत करेंगे। वित्तीय साक्षरता बढ़ाने, ऋण प्रबंधन की तकनीक अपनाने और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का सही लाभ उठाने के लिए रणनीतियाँ विकसित करना इस शोध का उद्देश्य है। इससे न केवल श्रमिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव होगा, बल्कि उनके जीवन स्तर में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन भी होगें।

अतः यह अध्ययन क्षेत्रीय कोयला खदान श्रमिकों के जीवन स्तर, आर्थिक व्यवहार और सामाजिक स्थिति को समझने में योगदान देगा। शोध के निष्कर्ष नीति निर्माताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे। इसके माध्यम से यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार सरकारी और सामाजिक योजनाएं खदान श्रमिकों की वित्तीय स्थिति और जीवन स्तर को उन्नत कर सकती हैं। इससे न केवल श्रमिकों के व्यक्तिगत जीवन में सुधार आएगा, बल्कि समग्र सामाजिक और आर्थिक संरचना में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

इस प्रकार यह शोध न केवल खदान श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का वैज्ञानिक और व्यवस्थित अध्ययन प्रस्तुत करता है, बल्कि उनके जीवन की गुणवत्ता, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक कल्याण की दिशा में प्रभावी सिफारिशें भी प्रदान करता है। यह अध्ययन क्षेत्रीय कोयला खदानों में श्रमिकों के जीवन स्तर, वित्तीय व्यवहार और सामाजिक सुरक्षा के पहलुओं पर समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने में सहायक होगा।

शोध का उद्देश्य

शोध पत्र प्रारंभ करने से पूर्व यह निश्चिय करना परम आवश्यक होता है कि शोध से संबंधित सूचनाओं का गहन अध्ययन करना, नवीन प्रश्नों का निर्माण, अवधारणाओं एवं समझ को विकसित करने हेतु तत्वों का पता लगाना तथा नवीन सम्भावनाओं को खोजना शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य माना जाता है। शोध की अवधारणा प्रत्येक क्षेत्र में होती है, जिससे प्रत्येक क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। अध्ययन का क्षेत्र तो बहुत व्यापक है, परन्तु व्यापक क्षेत्र में ही शोध के निश्चित उद्देश्यों से संबंधित तथ्य ही एकत्र किये जायेंगे। प्रस्तावित शोध पत्र से संबंधित कुछ प्रमुख उद्देश्यों का निर्माण किया गया है, जो इस प्रकार है–

➢सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक एवं सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना।

➢अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक एवं सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की आय, व्यय, बचत और ऋण संबंधी वित्तीय स्थिति का विश्लेषण करना।

उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए शोध पत्र को वास्तविक मानकों के अनुरूप पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया गया है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में प्रयोग किये जाने वाले तथ्यों को प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से एकत्रित किया गया है। जिसके लिए प्राथमिक समंकों के संकलन हेतु शोधार्थी द्वारा लोगों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर प्रश्नावली के माध्यम से मौलिक समंकों को संकलित किया गया है। द्वितीयक समंकों का संकलन शासकीय एवं गैर शासकीय सूचनाओं, पत्र–पत्रिकाओं एवं प्रकाशनों इत्यादि से एकत्रित किये गये हैं। प्राथमिक समंकों को वर्गीकृत कर सारणीयन के पश्चात् विश्लेषणात्मक अध्ययन कर

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

परिणाम प्राप्त किये गये हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में अवलोकन, सर्वेक्षण व निदर्शन इत्यादि प्रविधियों का भी यथा सम्भव प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण

सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ और सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत खदान श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का विश्लेषण अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनके जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा और परिवारिक कल्याण के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। खदानों में कार्य करना शारीरिक और मानसिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होने के कारण, अधिकांश श्रमिक दैनिक आवश्यकताओं और आकस्मिक खर्चों के लिए ऋण पर निर्भर रहते हैं। इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य अमिलिया नार्थ और सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की आय, व्यय, बचत और ऋण संबंधी वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना है, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा और जीवन स्तर की समग्र छवि सामने आ सके। द्वितीयक उद्देश्य यह है कि श्रमिकों के वित्तीय व्यवहार को प्रभावित करने वाले सामाजिक, आर्थिक और जातिगत कारकों का विश्लेषण किया जाए, ताकि उनके वित्तीय निर्णयों, बचत प्रवृत्ति और ऋण पर निर्भरता के पैटर्न को समझा जा सके। इस विश्लेषण में आंकड़ों को श्रमिकों की संख्या और प्रतिशत के आधार पर व्यवस्थित तालिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है, जिससे प्रत्येक ब्लॉक में वित्तीय स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन संभव हो। यह न केवल वर्तमान वित्तीय व्यवहार को उजागर करता है, बल्कि नीति निर्माण और सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सटीक दिशा–निर्देश भी प्रदान करता है। इसके माध्यम से खदान श्रमिकों के आर्थिक विकास और वित्तीय सुरक्षा के क्षेत्र में सुधार हेतु संभावित उपायों का सुझाव भी प्रस्तुत किया जा सकता है, जो इस प्रकार है–

सारणी क्रमांक 01

सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक और सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन

क्रमांक	विवरण	अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक		सुलियारी कोल ब्लॉक	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	मासिक आय रु. 5000 से 10000	49	19.60	52	20.80
2.	मासिक आय रु. 10000 से 15000	67	26.80	59	23.60
3.	मासिक आय रु. 15000 से 20000	25	10.00	23	9.20
4.	नियमित बचत करने वाले	31	12.40	33	13.20
5.	ऋण पर निर्भर श्रमिक	78	31.20	83	33.20
	कुल	250	100.00	250	100.00

स्रोत– क्षेत्रीय सर्वेक्षण, अमिलिया नार्थ एवं सुलियारी कोल ब्लॉक, 2025

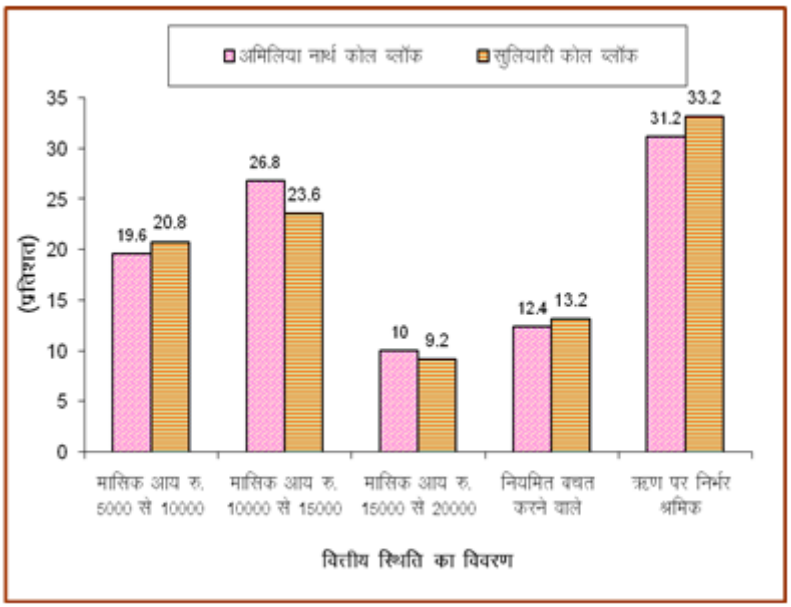

आरेख क्रमांक–01 : सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक और सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत श्रमिकों की वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि सिंगरौली जिले के अमिलिया नार्थ कोल ब्लॉक और सुलियारी कोल ब्लॉक में संलग्न श्रमिकों की संख्या का प्रतिशत 19.60 व 20.80 की मासिक आय रु. 5000 से 10000 के बीच है, इसी प्रकार 26.80 और 23.60 प्रतिशत कर्मचारियों की मासिक आय रु. 10000 से 15000 है, इसी प्रकार 10.00 एवं 9.20 प्रतिशत कर्मचारियों

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

की मासिक आय रुपये 15000 से 20000 तक है, इसी अनुक्रम में 12.40 प्रतिशत तथा 13.20 प्रतिशत श्रमिकों की संख्या नियमित बचत करते हैं, इसी प्रकार 31.20 प्रतिशत और 33.20 प्रतिशत कर्मचरियों को अपनी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए ऋण का सहारा लेना पड़ता है। अतः इससे स्पष्ट होता है कि उक्त दोनों कोल ब्लॉकों में कार्यरत श्रमिकों की ऋण पर अधिक निर्भरता है।

निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि अमिलिया नार्थ और सुलियारी कोल ब्लॉक में कार्यरत अधिकांश खदान श्रमिक मध्यम और निम्न आय वर्ग में आते हैं। उनकी मासिक आय अधिकांशतः रु. 10,000 से 15,000 रुपये के बीच है, जबकि उच्च आय वर्ग में न्यूनतम संख्या में श्रमिक हैं। अधिकांश श्रमिक दैनिक आवश्यकताओं और आकस्मिक खर्चों के लिए ऋण पर निर्भर हैं, और नियमित बचत करने वाले श्रमिक कम हैं। जातिगत दृष्टि से सामान्य जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के श्रमिक अधिक हैं, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के श्रमिक अपेक्षाकृत कम हैं। अध्ययन यह भी दर्शाता है कि वित्तीय साक्षरता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता सीमित होने के कारण श्रमिक आर्थिक असुरक्षा की स्थिति में हैं। इस आधार पर सुझाव दिया गया है कि वित्तीय प्रशिक्षण, ऋण प्रबंधन और सामाजिक कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से इन श्रमिकों की आर्थिक स्थिति और जीवन स्तर में सुधार संभव है।

संदर्भ ग्रन्थ

1. शर्मा, रमेश, भारत में खदान श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, नई दिल्ली : राष्ट्रीय श्रम संस्थान, 2018
2. सिंह, अरविंद, खनन उद्योग और श्रमिक कल्याण : एक विश्लेषण, भोपाल : मध्यप्रदेश पब्लिकेशन, 2019
3. कुमार, दीपक, श्रमिकों की वित्तीय व्यवहार और बचत प्रवृत्ति, मुंबई : भारतीय समाजशास्त्रिक अध्ययन संस्थान, 2020
4. राजपूत, सुनील, कोयला खदान क्षेत्र में आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक योजनाएँ, झाँसी : उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2017
5. भारतीय कोयला निगम (Coal India Ltd.), सिंगरौली जिला कोल ब्लॉक वार्षिक रिपोर्ट 2022–23, कोलकाता : CIL, 2023।
6. गुप्ता, मेघा, मध्यप्रदेश में खदान श्रमिकों की जीवन स्थिति : एक क्षेत्रीय अध्ययन, इंदौर : सामाजिक अनुसंधान पत्रिका, 2021